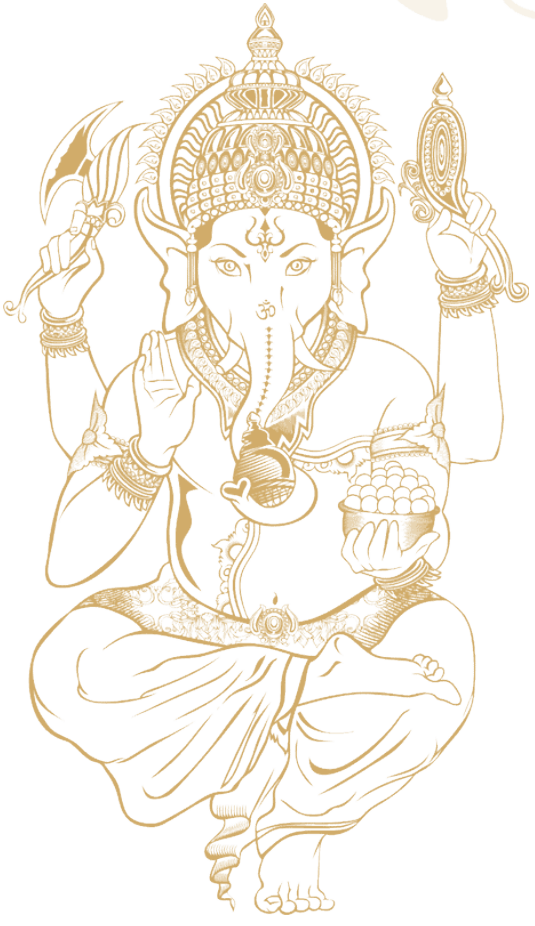

# Dhiraj

# Vaishali

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121305001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121305001 Date: 17/02/2026

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 14/07/2000 | जन्म तिथि | 1-02/03/2001 |
| शुक्रवार | दिन | गुरु-शुक्रवार |
| घंटे 14:31:00 | जन्म समय | 01:55:00 घंटे |
| घटी 21:36:35 | जन्म समय(घटी) | 47:21:29 घटी |
| India | देश | India |
| Sojat Road | स्थान | Sojat River |
| 25:48:00 उत्तर | अक्षांश | 25:53:00 उत्तर |
| 73:49:00 पूर्व | रेखांश | 73:45:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:34:44 | स्थानिक संस्कार | -00:35:00 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:52:22 | सूर्योदय | 06:58:43 |
| 19:28:47 | सूर्यास्त | 18:36:21 |
| 23:51:37 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:52:08 |

| | | |
|---|---|---|
| तुला | लग्न | वृश्चिक |
| शुक्र | लग्न लग्नाधिपति | मंगल |
| धनु | राशि | वृष |
| गुरु | राशि-स्वामी | शुक्र |
| मूल | नक्षत्र | कृतिका |
| केतु | नक्षत्र स्वामी | सूर्य |
| 2 | चरण | 2 |
| ब्रह्म | योग | वैधृति |
| गर | करण | गर |
| यो-योगेश | जन्म नामाक्षर | इ-ईशा |
| कर्क | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मीन |
| क्षत्रिय | वर्ण | वैश्य |
| मानव | वश्य | चतुष्पाद |
| श्वान | योनि | मेष |
| राक्षस | गण | राक्षस |
| आद्य | नाड़ी | अन्त्य |
| मृग | वर्ग | गरूड़ |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु 4वर्ष 8मा 0दि | | 21:56:20 | तुला | लग्न | वृश्चि | 24:56:38 | सूर्य 3वर्ष 6मा 8दि | |
| सूर्य | | 28:21:41 | मिथु | सूर्य | कुंभ | 17:27:02 | राहु | |
| 15/03/2025 | | 04:26:37 | धनु | चंद्र | वृष | 02:10:05 | 09/09/2021 | |
| 15/03/2031 | | 24:37:04 | मिथु | मंगल | वृश्चि | 13:44:29 | 10/09/2039 | |
| सूर्य | 02/07/2025 | 16:57:43 | मिथु व | बुध | मक | 22:26:54 | राहु | 22/05/2024 |
| चन्द्र | 01/01/2026 | 08:57:28 | वृष | गुरु | वृष | 09:22:06 | गुरु | 16/10/2026 |
| मंगल | 09/05/2026 | 07:25:10 | कर्क | शुक्र | मीन | 22:50:53 | शनि | 22/08/2029 |
| राहु | 03/04/2027 | 04:06:50 | वृष | शनि | वृष | 01:22:03 | बुध | 10/03/2032 |
| गुरु | 20/01/2028 | 00:45:47 | कर्क व | राहु व | मिथु | 19:42:52 | केतु | 29/03/2033 |
| शनि | 01/01/2029 | 00:45:47 | मक व | केतु व | धनु | 19:42:52 | शुक्र | 28/03/2036 |
| बुध | 07/11/2029 | 26:02:20 | मक व | हर्ष | मक | 28:06:42 | सूर्य | 20/02/2037 |
| केतु | 15/03/2030 | 11:40:56 | मक व | नेप | मक | 13:38:55 | चन्द्र | 22/08/2038 |
| शुक्र | 15/03/2031 | 16:39:12 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 21:20:08 | मंगल | 10/09/2039 |

व - वकी  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:51:37  चित्रपक्षीय अयनांश  23:52:08**

## लग्न-चलित

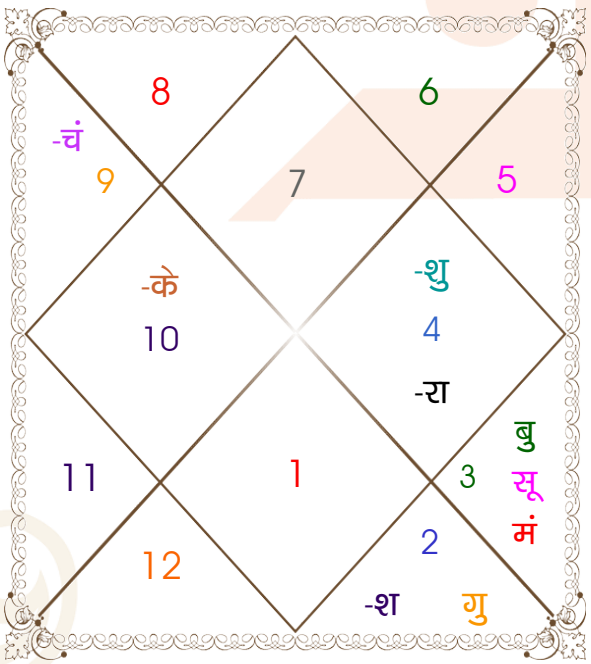


## लग्न-चलित

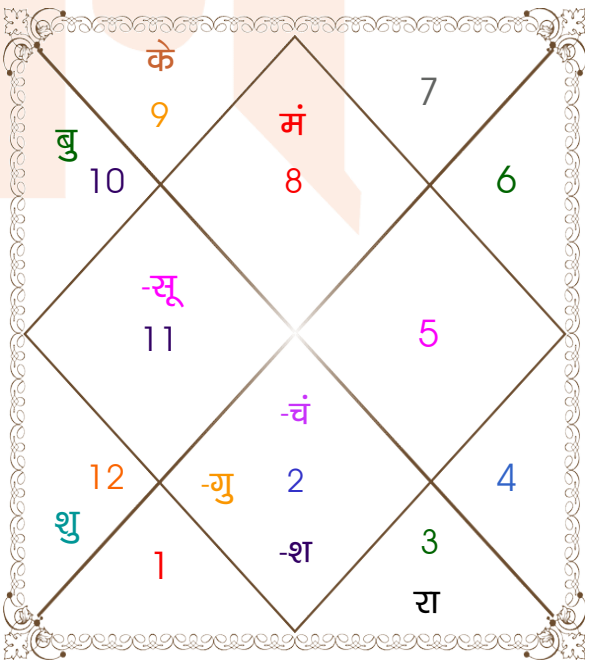



**Gayatri jyotish karyalaya**
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | श्वान | मेष | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | शुक्र | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | वृष | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 20.00 | | |

कुल : **20 / 36**

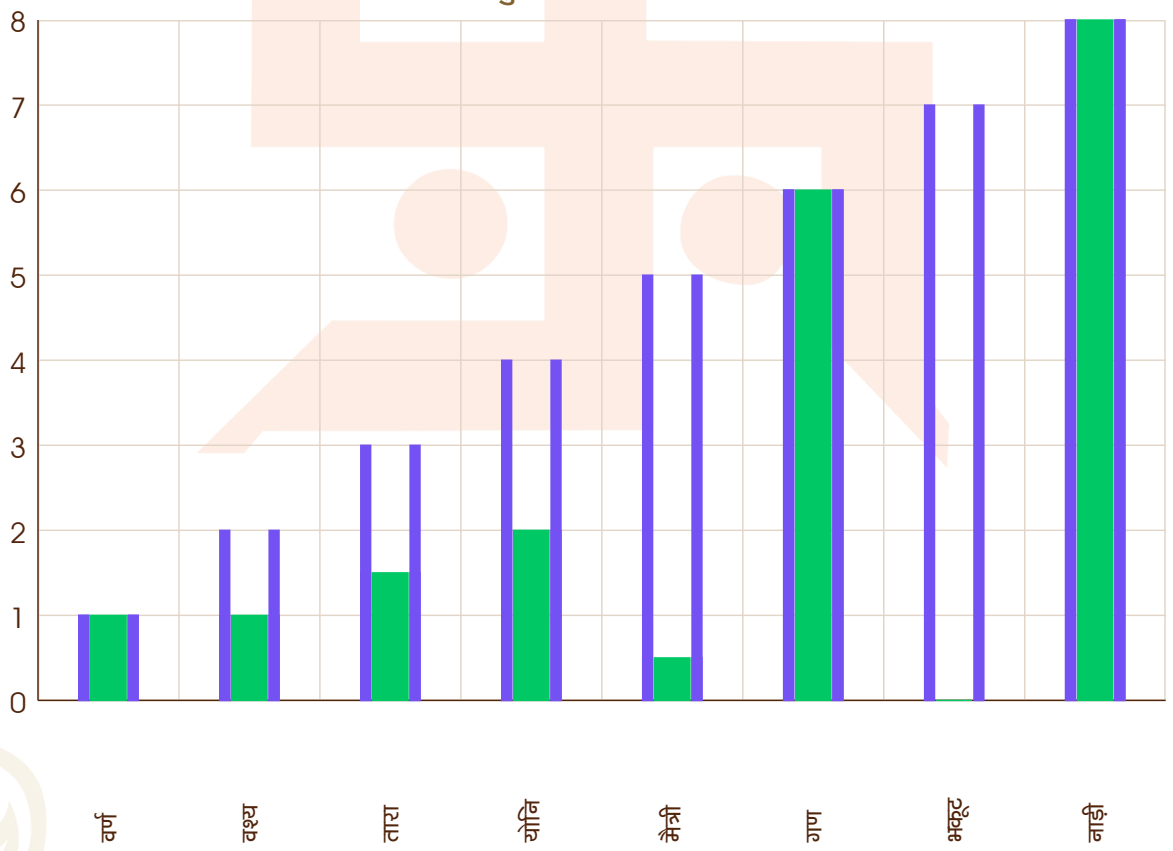


**Gayatri jyotish karyalaya**
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

# अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Dhiraj का वर्ग मृग है तथा टंर्पीसप  का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Dhiraj और टंर्पीसप  का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Dhiraj मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

टंर्पीसप  मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढष्;श्ब्म्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल  टंर्पीसप  कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Dhiraj तथा टंर्पीसप  में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Dhiraj का वर्ण क्षत्रिय तथा टंपींसप का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश टंपींसप आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही टंपींसप की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

## वश्य

Dhiraj का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं टंपींसप का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Dhiraj एवं टंपींसप दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। टंपींसप अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Dhiraj अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

## तारा

Dhiraj की तारा मित्र तथा टंपींसप की तारा विपत है। टंपींसप की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Dhiraj एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि टंपींसप का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

## योनि

Dhiraj की योनि श्वान है तथा टंपींसप की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता

है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Dhiraj का राशि स्वामी टंपींसप के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि टंपींसप का राशि स्वामी Dhiraj के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

## गण

Dhiraj का गण राक्षस है तथा टंपींसप का गण भी राक्षस है। अर्थात टंपींसप का गण Dhiraj के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Dhiraj एवं टंपींसप दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

## भकूट

Dhiraj से टंपींसप की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा टंपींसप से Dhiraj की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Dhiraj लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। टंपींसप को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

## नाड़ी

Dhiraj की नाड़ी आद्य है तथा टंपींसप  की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Dhiraj की आद्य नाड़ी तथा टंपींसप  की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Dhiraj की जन्मराशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा टंपींसप  की राशि पृथ्वीतत्व युक्त वृष है। अग्नि तथा पृथ्वी में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी स्वभावगत विशेषताओं में असमानता रहेगी जिससे संबंधों में मधुरता का अभाव होगा तथा वैवाहिक जीवन के सुख में न्यूनता रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Dhiraj की जन्मराशि का स्वामी गुरु तथा टंपींसप  की जन्मराशि का स्वामी शुक्र परस्पर सम एवं शत्रुराशियों में स्थित हैं। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Dhiraj और टंपींसप  के मध्य प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का अभाव रहेगा तथा सुख दुख में भी एक दूसरे को विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे। वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देगें। Dhiraj ओर टंपींसप  का परस्पर आलोचनात्मक तथा विरोध का दृष्टिकोण भी रहेगा जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता आएगी।

Dhiraj और टंपींसप  की राशियां परस्पर षष्ठ तथा अष्टम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकुट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से दोनों के मन में अहंकार का भाव होगा तथा इससे एक दूसरे के प्रति मन में उपेक्षा का भाव भी रहेगा जिससे दाम्पत्य संबंधों में तनाव तथा कटुता रहेगी। ऐसी स्थिति में यदि Dhiraj और टंपींसप  सामंजस्य एवं बुद्धिमता पूर्वक कार्य कलाप सम्पन्न करने चाहिए।

Dhiraj का वश्य मानव तथा टंपींसप  का वश्य चतुष्पद है। मानव तथा चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनूकी अभिरूचियों में अन्तर होगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं असमान होंगी। अतःकामसम्बंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

Dhiraj का वर्ण क्षत्रिय तथा टंपींसप  का वर्ण वैश्य है। अतः Dhiraj की प्रवृति साहसिक तथा परिश्रमी कार्यो को करने में रहेगी जबकि टंपींसप  धनार्जन संबंधी कार्यो में तत्पर रहेंगी तथा वणिक बुद्धि से कार्य सम्पन्न करेंगी।

## धन

Dhiraj और टंपींसप  दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

## स्वास्थ्य

Dhiraj का जन्म आद्य तथा टंपींसप का जन्म अन्त्य नाड़ी में हुआ है। अतः ये दोनों नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे लेकिन मंगल का Dhiraj के स्वास्थ्य पर शुभ प्रभाव नहीं होगा। अतः इससे वे रक्त या पित संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही गुप्त रोगों की भी संभावना होगी एवं संभोग शक्ति में कमी के कारण दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता करने के लिए Dhiraj को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास भी करना चाहिए।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Dhiraj और टंपींसप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Dhiraj और टंपींसप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में टंपींसप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन टंपींसप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में टंपींसप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Dhiraj और टंपींसप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Dhiraj और टंपींसप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

टंपींसप के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत टंपींसप के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

टंपींसप अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता

पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार टंर्पींसप  के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

## ससुराल-श्री

Dhiraj तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Dhiraj तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Dhiraj के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Dhiraj को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Dhiraj समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Dhiraj के प्रति अनुकूल ही रहेगा।